Shree Govind Guru University

VINZOL, Gujarat.

(Established by Government of Gujarat Vide Gujarat Act No.24/2015)

श्री गोविंद गुरु यूनिवर्सिटी, विंझोल, गोधरा-गुजरात

कला संकाय

हिन्दी पाठ्यक्रम

NEP 2020 CREDIT STRUCTURE FOR
B.A. (U.G) FROM JUNE : 2024

U.G. COURSES IN HINDI NEP- 2020
Semester - III

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)
(With effect from the Academic Year : 2024-25)
BY
BOARD OF STUDIES – HINDI

Shri Govind Guru University,Vinzol, Godhra

Sr.No	Name	Designation
1	**Prin.Dr.Abhay V Parmar** **Prin.Adivasi Arts And Commerce College, Santarampur**	**Chairman**
2	**Dr.Sushila S Vyas** **Associate Professor** **Smt.C.R.Gardi Arts College,Munpur**	**Member**
3	**Dr.Suresh B. Patel** **Associate Professor** **Y.S.Arts And K.S.Shah Commerce College,Devgadhbaria**	**Member**
4	**Prof.Dr.B.K.Kalasava** **H.O.D** **Hindi Deapartment** **Saurashtra University,Rajkot**	**Co-Opted Member**
5	**Dr.Jayantibhai Patel** **Associate Professor** **Shri J.L.K.Kotecha Arts And Smt.S.H.Gardi Commerce college,Kankanpur**	**Co-Opted Member**
6	**Dr.Bharat Bodhar** **Associate Professor** **Navjivan Arts And commerce College,Dahod**	**Co-Opted Member**

UG COURSES IN HINDI CHOICE BASED CREDIT SYSTEM NEP

SEMESTAR – III

Course Type	Course Code	Name of Course	Theory /Practical	Total Credit	Contact Hours Per week	Exam duration in hours	Component of Marks		
							Internal	External	Total
							Total/	Total/	Total /
Discipline Specific Course- **Major-1**	BA23MJ 3HN1	खण्डकाव्य	Theory	4	4		50%	50 %	100%
Discipline Specific Course- **Major-2**	BA23MJ 3HN2	निबंध एवं गद्य विधाएं	Theory	4	4		50%	50 %	100%
Discipline Specific Course- **Major-3**	BA23MJ 3HN3	हिन्दी साहित्य का आदिकाल और निर्गुण भक्तिकाल	Theory	4	4		50%	50 %	100%
Multi. Discipline (Select any One)	BA23MD 3HN1	हिन्दी पत्रकारिता	Theory	4	4		50%	50 %	100%

AEC	BA23AE 3HN1	रचनात्मक लेखन	Theory	2	2		50%	50 %	100%
SEC Skill Enhancement	BA023SE 303	संचार माध्यम	Theory	2	2		50%	50 %	100%
VAC/IKS	BA023V A303	हिन्दी की आदिकालीन एवं मध्यकालीन ज्ञान परंपरा	Theory	2	2		50%	50 %	100%

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : III

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MAJOR – 1 HINDI (मुख्य हिन्दी)

BA23MJ3HN1

खण्डकाव्य

पाठ्य पुस्तक : रश्मिरथी - रामधारी सिंह 'दिनकर'

लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थी रामधारी सिंह 'दिनकर' का साहित्यिक परिचय प्राप्त करेगा।
2. विद्यार्थी काव्य के भेद एवं खण्डकाव्य के बारे में जानकारी प्राप्त करेगा।
3. विद्यार्थी महाभारत और रामायण आधारित खण्डकाव्यों के बारे में जान सकेगा।
4. विद्यार्थी महाभारत का महत्वपूर्ण पात्र जिसे पर्याप्त महत्ता नहीं दी गई, उसके बारे में जान सकेगा।
5. विद्यार्थी रश्मिरथी का पठन करेगा, उसका विश्लेषण करते हुए प्रासंगिकता समझ सकेगा।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र खंडकाव्य के स्वरूप और महत्त्व को समझे।
2. छात्रों ने राष्ट्रकवि का परिचय प्राप्त किया।
3. छात्र काव्यपाठ और उसकी भाव – संपदा तथा विश्लेषण प्रक्रिया से अवगत हुए।
4. छात्र खंडकाव्य में निहित भाव, अर्थ, व्यंजना, उद्देश्य एवं काव्य के अन्य उपादानों से परिचित हुए।
5. इस पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्रों में रचनात्मक कौशल के साथ साथ मानवीय मूल्य विकसित होंगे।

पाठ्य पुस्तक : रश्मिरथी - रामधारी सिंह 'दिनकर'

लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

यूनिट	**पाठ्यक्रम**	
1		अंक

	कवि और रचना परिचय .	खण्ड काव्य की परिभाषा और स्वरूप रामधारी सिंह 'दिनकर' का व्यक्तित्व दिनकर जी के कृतित्व का सामान्य परिचय	20%
2	'रश्मिरथी' पठन एवं समीक्षा	रश्मिरथी' का कथानक खण्डकाव्य की दृष्टि से 'रश्मिरथी' की समीक्षा रश्मिरथी' की चरित्र योजना	20%
3	'रश्मिरथी' पठन एवं विवेचना	'रश्मिरथी': प्रकृति चित्रण , 'रश्मिरथी'- शीर्षक, संवाद-योजना, भाषा – शैली , 'रश्मिरथी' की प्रासंगिकता – आधुनिकता , उद्देश्य रश्मिरथी' का प्रेरणास्रोत, मिथकीयता	20%
4	'रश्मिरथी' संदर्भ सह व्याख्या	रश्मिरथी सर्ग एक से चार	20%
5	उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे		20%

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. मिथक और साहित्य - डॉ. नगेन्द्र

2. काव्य मिथक – डॉ. पुष्पपाल सिंह
3. आधुनिक प्रबंध काव्य-संवेदना के धरातल – डॉ.विनोद गोदरे
4. युगचारण दिनकर – सावित्री सिन्हा
5. हिन्दी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खण्डकाव्य – डॉ.कविता शर्मा
6. पुराख्यान और कविता – डॉ. लक्ष्मीनारायण शर्मा
7. पौराणिक काव्यः आधुनिक संदर्भ – डॉ. गो.रा. कुलकर्णी
8. दिनकर **:** एक पुनर्मूल्यांकन - विजेन्द्र सिंह
9 http://kavitakosh.org

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : III

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MAJOR – 2 HINDI

BA23MJ3HN2

निबंध एवं गद्य विधाएं

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को पाठ्यगत साहित्यिक विधाओं से परिचित कराना।
2. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की तमाम विधाओं से चुनी हुई रचनाओं का आस्वादमूलक परिचय कराना।
3. विद्यार्थियों को विचारात्मक निबंधों प्रस्तुत विचारों और ललित निबंधों के लालित्य को समझाना।
4. विद्यार्थियों की सर्जनात्मक शक्ति का विकास करना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र साहित्य की विविध विधाओं के स्वरूप से परिचित हुए।
2. छात्र साहित्य के विविध स्वरूपों से मानवीय मूल्य, निर्दोष प्रेम, आदर्श और यथार्थ तथा जीवन के तमाम पहलुओं को समझे।
3 . छात्रों ने साहित्य की विविध विधाओं -तत्व एवं कथ्य और शिल्प के बारे में जानकारी प्राप्त की ।
4 . इस पाठयक्रम को पढ़कर छात्रों में सर्जनात्मक शक्ति के साथ साथ मानवीय मूल्यों का विकास होगा।

निबंध एवं गद्य विधाएं

पाठ्य पुस्तक : गद्य विविधा – संपादक द्वय- डॉ.नागेश्वर सिंह, डॉ.माया प्रसाद

यूनिट		पाठ्यक्रम	अंक
1		**विचारात्मक निबंध**	
	1	लोभ और प्रीति – रामचंद्र शुक्ल	20%
	2	साहित्य और जीवन – नन्ददुलारे वाजपेयी	
2		**निबंध : ललित निबंध**	
	1	जमुना के तीरे-तीरे – विद्यानिवास मिश्र	20%

	2	चरित्र का मानदण्ड - वासुदेव शरण अग्रवाल	
3	रेखाचित्र और रिपोर्ताज		
	1	ठकुरी बाबा - महादेवी वर्मा	20%
	2	लाल कनेर के फूल और लालटेन वाली नाव – धर्मवीर भारती	
4	व्यंग्य और द्रुत पाठ		
	1	तुम कब जाओगे, अतिथि - शरद जोशी	20%
	2	हिन्दी -भूषण बाबू शिवपूजन सहाय – रामविलास शर्मा	
5	उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे		20%

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of theEvaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ:

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. साहित्य में गद्य की नई विधाएँ – कैलाशचन्द्र भाटिया
3. साहित्यिक विधाएँ – पुनर्विचार – हरिमोहन
4. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य – विश्वनाथप्रसाद तिवारी
5. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य – हरदयाल
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
9. हिन्दी निबन्धकार – जयनाथ नलिन
10. हिन्दी निबन्ध के आधार स्तंभ – डॉ. हरिमोहन
11. हिन्दी साहित्य में निबन्ध और निबन्धकार – डॉ. गंगा प्रसाद गुप्त

12. हिन्दी के व्यक्तिक निबन्ध – रामचरण महेन्द्र
13. हिन्दी रेखाचित्र – डॉ. हरवंश लाल शर्मा
14. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी व्यंग्य निबन्ध एवं निबन्धकार – डॉ. बापूराव देसाई
15. हिन्दी की हास्य व्यंग्य विधा का स्वरूप एवं विकास – इन्द्रनाथ मदान
16. महादेवी का गद्य साहित्य – माखनलाल शर्मा
17. रामचन्द्र शुक्ल औऱ हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा
18. रामचन्द्र शुक्ल – मलयज
19. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य – चौथीराम यादव
20. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी
21. http://gadyakosh.org

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : III

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MAJOR-3 HINDI

BA23MJ3HN3

हिन्दी साहित्य का आदिकाल और निर्गुण भक्तिकाल

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास एवं उसके कालक्रम एवं नामकरण से परिचित कराना।
2. विद्यार्थियों को तत्कालीन सामाजिक, धार्मिक आदि तमाम परिस्थितियों की जानकारी देना।
3. विद्यार्थियों को भक्ति के स्वरूप एवं उसके भेद तथा विशेषताओं से अवगत कराना।
4. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य का मध्ययुग को स्वर्णयुग कहने का आशय समझाना।
5. विद्यार्थियों को निर्गुण ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रमुख कवियों एवं रचनाओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र हिन्दी साहित्य के इतिहास , कालक्रम और नामकरण को समझे।
2. छात्रों ने तत्कालीन सामाजिक, धार्मिक आदि तमाम परिस्थितियों का परिचय प्राप्त किया।
3. छात्र भक्ति के स्वरूप से अवगत हुए।
4. छात्र भारत के भक्ति आंदोलन और काव्य-धाराओं से परिचित हुए।
5. इस पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्र हिन्दी साहित्य के आदिकाल एवं भक्तिकाल की ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे और उनमें मानवीय मूल्य विकसित होंगे।

यूनिट	हिन्दी साहित्य का आदिकाल और निर्गुण भक्तिकाल (इतिहास) पाठ्यक्रम		
1	1	आदिकाल : नामकरण एवं काल निर्धारण, परिस्थितियाँ	20%
	2	आदिकाल की प्रमुख विशेषताएँ	
	3	आदिकालीन साहित्य : रासो साहित्य, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य (सामान्य परिचय)	
2	**भक्तिकाल**		
	1	भक्ति की परिभाषा और स्वरूप	20%
	2	भक्तिकाल : नामकरण, वर्गीकरण (प्रकार), समय तथा परिस्थितियाँ	

	3	भक्तिकाल की प्रमुख विशेषताएँ	
3	**निर्गुण ज्ञानाश्रयी शाखा (भक्ति)**		
	1	निर्गुण भक्ति का स्वरूप और उसकी विशेषताएँ	20%
	2	ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ	
	3	प्रेमाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ	
4	**प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ**		
	1	प्रमुख रचनाकार – चंद बरदाई , अमीर खुशरो ,कबीर , रैदास, – मलिक मुहम्मद जायसी,	20%
	2	प्रमुख रचनाएं – दोहाकोश , बीसलदेव रासो , पद्मावत, चंदायन, मधुमालती	
5	उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे		

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

EvaluationPattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं.डॉ. नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

10. नाथपंथ और संत साहित्य – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
11. संत साहित्य – राधेश्याम दूबे
12. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
14. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत
15. कबीर साहित्य की परख – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
16. हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
17. सूफी कविता की पहचान – यश गुलाटी
18. जायसी का पद्मावत : काव्य तथा दर्शन – गोविन्द त्रिगुणायत
19. जायसी का काव्य – सरोजनी पाण्डेय
20. हिन्दी के सूफी प्रेमाख्यान – आचार्य परशुराम चतुर्वेद
21 Kavita Kosh.org
22 hindikavykosh.in
23 e-PG Pathshala
24 ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India
25 epustakalay.com
26 eGyankosh
27 hindikunj.com

Shri Govind Guru University,Vinzol

Semester : III

MULTI DISCIPLINARY COURSE (हिन्दी)

BA23MD3HN1

हिन्दी पत्रकारिता

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1 छात्रों को पत्रकारिता का महत्व समझाते हुए पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित कराना।

2 छात्रों को पत्रकारिता के प्रमुख प्रकारों से परिचय कराना।

3 छात्रों को समाचार लेखन के सिद्धांत से परिचित कराना।

5 छात्रों को हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास से परिचित कराना।

6 छात्रों को पत्रकारिता के क्षेत्र में केरियर बनाने के लिए प्रेरित करना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र हिन्दी पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित हुए ।

2 . इस पाठ्यक्रम को पढ़कर पत्रकारिता के क्षेत्र में केरियर बनानेवाले छात्रों को लाभ होगा।

यूनिट	**पाठ्यक्रम**	**अंक**
	भारतीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता का उदय	
1	१. हिन्दी पत्रकारिता का प्रारंभ २. जुगलकिशोर शुक्ल की पत्रकारिता एवं उदन्त मार्तण्डकी आवश्यकता और महत्व ३.समाचार सुधावर्षण	20%
2	राष्ट्रीयता का विकास और हिन्दी पत्रकारिता का दूसरा दौर (भारतेन्दु युग)	
	१. भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता की विशेषताएँ २. भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता एवं कविवाचन सुधा ३. भारतमित्र	20%

3	बीसवीं शताब्दी का आरंभ और हिन्दी पत्रकारिता का तीसरा दौर (द्विवेदी युग)	
	१. द्विवेदी युगीन पत्रकारिता की विशेषताएँ २. महावीर प्रसाद द्विवेदी की पत्रकारिता एवं सरस्वती ३. प्रताप	20%
4	गांधीयुगीन पत्रकारिता	
	१. गाँधीयुगीन पत्रकारिता की विषशताएँ २. बाबूराव विष्णु पराड़कर की पत्रकारिता एवं आज ३. मतवाला	20%
5	उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे	20%

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching powerpoint presentation e-learning,use of library e sources seminar,workshop,symposium quiz,studentse xchange program, guest lecture

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ . विनोद गोदरे , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप -कैलाश चन्द्र भाटिया तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंग पब्लिकेशन
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ।नरेश मिश्र, डॉ.सुरेश सिंहल – अभिनव प्रकाशन दिल्ली
5. मीडिया लेखन – चंद्रप्रकाश मिश्र , संजय प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी पत्रकारिता डॉ.कृष्णबिहारी मिश्रा
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्रा शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा

8. जन पत्रकारिता ,जनसंचार एवं जनसंपर्क – प्रो.सूर्यप्रकाश दीक्षित ,संजय प्रकाशन दिल्ली
9. e GyanKosh
10. https://hi.m.wikipedia.org
11. https://sarkariguider.in
12. https://ncert.nic.in
13. https://uou.ac.in
14. समाचार सम्पादन – कमल दीक्षित ,महेश दर्पण ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,दिल्ली
15. समाचार लेखन: अवधारणा और सिद्धांत – सुभाष धूलिया और आनंद प्रधान , भारतीय जनसंचार संस्थान , नई दिल्ली
16. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी , जयभारती प्रकाशन ,दिल्ली

Shri Govind Guru University ,Vinzol

Semester : III

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (हिन्दी)

BA23AE3HN1

रचनात्मक लेखन

Credit: 2

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. छात्रों को रचनात्मक लेखन को समझाना।
2. छात्रों को रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया से परिचित कराना।
3. छात्रों को वैश्वीकरण के युग में रचनात्मक लेखन की महत्ता समझाकर रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में केरियर बनाने के लिए प्रेरित करना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र रचनात्मक लेखन के स्वरूप को समझे।
2. छात्र रचनात्मक लेखन की प्रकृति और प्रकारों से परिचित हुए।
3. छात्र रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया को समझे।
4. इस पाठ्यक्रम से छात्र वर्तमान युग में रचनात्मक लेखन के महत्व को समझकर रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित होंगे। इस क्षेत्र में केरियर बनाने के इच्छुक छात्रों को लाभ होगा।

यूनिट	**पाठ्यक्रम**
1	
	रचनात्मक लेखन से तात्पर्य ,विशेषताएँ रचनात्मक लेखन का क्षेत्र : साहित्य और संचार माध्यम
2	रचनात्मक लेखन का स्वरूप : गद्य और पद्य निबंध का स्वरूप और तत्व
3	निबंध लेखन - **मेरे जीवन का लक्ष्य ,** **जीवन मे योग का महत्व ,** **पर्यावरण** संरक्षण आज की आवश्यकता, मेरी प्रिय पुस्तक

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching , power point presentation e-learning,use of library resources seminar,workshop,symposium quiz,students exchange program, guest lecture

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. रचनात्मक लेखन संपादक - रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन

2. सृजनात्मक लेखन और संचार क्षमता - प्रो जय मोहन एस, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

3.भाषा के विविध रूप और अनुवाद - प्रो कृष्ण कुमार गोस्वामी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

4 सृजनात्मक लेखन – डॉ। राजेंद्र मिस्र , तक्षशिला प्रकाशन

5 eGyanKosh

6 e-PG Pathshala

Shri Govind Guru University ,Vinzol **Semester: III** **SKILL ENHANCEMENT COURSE (हिन्दी)** **BA023SE103** **संचार माध्यम** **Credit: 2**

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. छात्रों को संचार के अर्थ और स्वरूप से परिचित कराना।
2. संचार माध्यम के महत्व से छात्रों को परिचित कराना।
3. छात्रों को संचार की प्रकृति और प्रक्रिया से परिचित कराना।
4. छात्रों को संचार के कार्यों एव उद्देश्य से अवगत कराना।
5. छात्रों मे संचार कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र संचार के अर्थ और स्वरूप से परिचित हुए।
2. छात्र संचार की उपयोगिता एवं महत्व को समझे।
3. छात्रों में में संचार कौशल विकसित हुआ।
4. छात्र संचार की प्रकृति और प्रक्रिया से अवगत हुए।
5. छात्र संचार के कार्यों एवं उद्देश्य से परिचित हुए ।
6. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों को विभिन्न संचार माध्यमों में रोजगार की संभावनाए बढ़ेगी और व्यवहारिक जीवन के विविध क्षेत्रो मे संचार माध्यमों का ज्ञान उपयोगी रहेगा ।

यूनिट	**पाठ्यक्रम**	
1	संचार का अर्थ ,स्वरूप और परिभाषा संचार के कार्य	
2	संचार की प्रकृति संचार के चरण	
3	संचार की प्रक्रिया संचार का महत्व	

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching power point presentation e-learning,use of library resources seminar,workshop,symposium quiz,students exchange program, guest lecture

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ . विनोद गोदरे , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप -कैलाश चन्द्र भाटिया तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

3. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंग पब्लिकेशन

4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ.नरेश मिश्र, डॉ.सुरेश सिंहल – अभिनव प्रकाशन दिल्ली

5. मीडिया लेखन – डॉ ० चंद्रप्रकाश मिश्र , संजय प्रकाशन , दिल्ली।

6 संचार और संचार माध्यम – डॉ ० चंद्रप्रकाश मिश्र , संजय प्रकाशन , दिल्ली।

7 संचार से जनसंचार और जनसम्पर्क तक – बलवीर कुंदरा , के ० के पब्लिकेशन

8 आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन , तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली।

9 जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी , जयभारती प्रकाशन।

10 जन पत्रकारिता , जनसंचार और जनसंपर्क – प्रो ० सूर्यप्रकाश दीक्षित , संजय प्रकाशन ,।

11 . eGyanKosh

12 e pathshala

Shri Govind Guru University,Vinzol **Semester : III** **VALUE ADDED COURSE (हिन्दी)** BA023VA303 **हिन्दी की आदिकालीन एव मध्यकालीन ज्ञान परंपरा** **Credit: 2**	
पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) : 1. हिन्दी की ज्ञान परंपरा के प्रमुख संतों और कवियों के जीवन से परिचित करवाना। 2. हिन्दी की ज्ञान परंपरा के प्रमुख संतों और कवियों के साहित्य से परिचित होगे। 3. छात्रों में मानवीय मूल्य विकसित करने के साथ साथ भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति के प्रति आदर भाव जागृत करना। **पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :** 1. छात्र हिन्दी साहित्य की ज्ञान परंपरा के प्रमुख संतों और कवियों के जीवन एवं साहित्य से परिचित होंगे । 2. छात्रों में भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृति के प्रति आदर भाव बढ़ेगा। 3. छात्रों में मानवीय मूल्य विकसित होंगे ।	
यूनिट	**जीवन और साहित्य का सामान्य परिचय**
1	गोरखनाथ का जीवन और कृतित्व सरहपा का जीवन और कृतित्व
2	कबीर का जीवन और कृतित्व रैदास का जीवन और साहित्य
3	तुलसीदास का जीवन और साहित्य सूरदास का जीवन और साहित्य

Teaching- Learni Methodology	black board Teaching power point presentation e-learning, use of library esources seminar,workshop,symposium quiz, students exchange program, guest lecture

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं.डॉ. नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
10. नाथपंथ और संत साहित्य – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
11. संत साहित्य – राधेश्याम दूबे
12. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
14. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत
15. कबीर साहित्य की परख – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

16 Kavita Kosh.org

17 hindikavykosh.in

18 e-PG Pathshala

19 ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India

20 epustakalay.com

21 eGyankosh

22 hindikunj.com